

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2008

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. सितम्बर 2008 के उपरांत के समय के फलादेश के लिए 11 सितम्बर 1975, सोमवार, 1.30 बजे शाहजहाँ पुर, उ.प्र. (27उ. 53, 79पू. 55) में जन्मे जातक के लिए वर्ष कुण्डली बनाएं।
2. ताजिक पद्धति की मुख्य विशेषताओं की चर्चा करें।
3. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
क. मुन्था ख. वर्षेश्वर
ग. इत्थसाल योग ग. लग्नेश
4. सहम क्या है? सहम का फलादेश में कैसे प्रयोग होता है। इस चर्चा में विवाह सहम और पुण्य सहम का विशेष उल्लेख करें।
5. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखें :-
क) मुन्था के 6,9 व. 11 भाव में स्थिति के फलादेश
ख) त्रिपताका चार्ट की महत्ता
ग) कम्बूल योग

भाग-II (मुहूर्त)

6. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखें :-
क) मुहूर्त क्या हैं? समझाएं।
ख) दिन में वे कौन से दो मुहूर्त हैं जिन्हें सदा शुभ समझा जाता है? उन्हें समझाएं।
ग) रिक्त तिथि का महत्त्व समझाएं।
7. शिलान्यास के मुहूर्त चयन के नियमों की चर्चा करें।
8. मुहूर्त निर्धारण में एकविंशति (21) महादोषों से आप क्या समझते हैं? उन सभी के नाम लिखें।
9. मुहूर्त में योग क्या हैं? वे क्या परिणाम देते हैं?
10. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में लिखें।
क) भद्रा
ख) अभिजित नक्षत्र
ग) पंचांग शुद्धि